

NEWS CLIPPING

Headline:	Standards and regulations essential to shape the future of the specialty chemicals industry	Date:	01.10.2013
Publication:	Nav Bharat	Circulation:	700
Web link:		Section/ Page:	03
Journalist:		City:	Nagda

SUMMARY / TRANSLATION

Standards and regulations essential to shape the future of the specialty chemicals industry

Nagda: At the recently held CII seminar for the specialty chemicals industry in Mumbai, Dr. Joerg Strassburger, Managing Director and Country Representative, LANXESS India Private Limited addressed the audience on the topic 'Importance of standards in the growth of specialty chemicals industry'.

In the capacity of the Chairman, Sub-Committee on Standards & Regulatory Regimes, as part of the National Chemicals Committee at the Confederation of Indian Industry (CII), Strassburger opened the session with the thoughts behind this discussion on standards.

He explained that in 2011, CII National Committee on Chemicals had commissioned a report on Specialty chemicals which was foreseen to have a growth story. This report drafted by McKinsey and released in December 2011, reflected a strong need for implementing right consumption standards and regulations on safety, quality and environmental protection to be able to leverage the growth of the user industries. The report further stated that such standards will increase the preference for longer lasting, safer and more efficient end products among the consumers. As these products normally replace old and less environmental friendly products and the new products are produced in units which follow a sustainable approach - consumers, the environment and the chemical industry stand to benefit at the same time.

On the basis of this recommendation, the CII National Committee on Chemicals set up a subcommittee to strengthen the framework for standards and regulatory regimes in the specialty chemicals industry. It was clear that the implementation of such standards will benefit this industry and help it to realize the potential of USD 80-100 bn by 2020, as projected by Mckinsey.

Speaking at the session, Mrs. Alka Panda, Additional Director General, Bureau of Indian Standards (BIS), reiterated that BIS realizes the importance of standards in the performance chemicals industry. She outlined some of the standards mandated by BIS, and said that standards help improve performance in the areas of quality, HSE (Health, Safety, Environment),

NEWS CLIPPING

consistency, waste management among others. She also sought the support of the industry in upgrading these standards wherever necessary.

Strassburger said that standards play an important role in educating the consumer about aspects like quality, impact on health and safety. Taking examples from the recently instituted tire labeling regulation in Europe, he elaborated tyre manufacturers have to be transparent to consumers about performance parameters such as rolling resistance (fuel efficiency), wet grip (road safety) and rolling noise by putting a label on every tyre.

He further added that one of the most worrisome aspects about the Indian chemical industry is that several hazardous goods are transported in 'unsafe' conditions. He informed the audience that in order to overcome the challenges of this issue, an initiative called 'Nicer Globe' has been undertaken by seven members of the chemical industry, wherein, all vehicles carrying chemicals will be monitored through an online GPS monitoring system. He also sought the support of the government in this initiative for smooth operations.

Other speakers in the discussion on standards included Mr. H. J. Gazer, President, Indian Oxides & Chemicals Limited who spoke on 'Role of flame retardants and implications of fire safety' and Dr. Randhir Parmer, Senior Manager, Technology, Asian Paints Research and Technology Center who presented on 'Lead free & low VOC paints'.

LANXESS NEWS, POSITIVE

NEWS CLIPPING

CLIPPING

विशेषज्ञ रसायन उद्योग के उज्ज्वल भविष्य के लिए मानदंड एवं विनियमन आवश्यक

नागदा, 30 सितम्बर. निप्र. लैंक्सेस इंडिया प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक एवं राष्ट्रीय प्रतिनिधि डॉ. यॉर्ग स्ट्रासबर्गर ने कहा है कि विशेषज्ञ रसायन उद्योग के उज्ज्वल भविष्य के लिए मानदंड एवं विनियमन आवश्यक है. श्री स्ट्रासबर्गर सीआईआई (भारतीय उद्योग परिषद) द्वारा मुंबई में हाल ही में 'विशेषज्ञ रसायन उद्योग के विकास में मानदण्डों की महत्ता' नामक विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे.

उल्लेखनीय है कि सीआईआई (भारतीय उद्योग परिषद) द्वारा राष्ट्रीय रसायन समिति के अंतर्गत स्टैंडर्ड एंड रेगुलेटरी रिजीम्स की उप-समिति का गठन किया है और श्री स्ट्रासबर्गर इसके चेयरमैन हैं. इसी उप-समिति की बैठक का शुभारंभ करते हुए उन्होंने उपरोक्त विचार व्यक्त किए. श्री स्ट्रासबर्गर ने बताया कि वर्ष 2011 में सीआईआई की 'नेशनल कमेटी ऑन केमिकल्स' ने विशेषज्ञ रसायनों पर एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें भविष्य में उद्योग की सफलता का पूर्वानुमान लगाया गया था. यह रिपोर्ट मैक्सिसे द्वारा तैयार की गई थी तथा इसे

दिसंबर 2011 में जारी किया गया था. इस रिपोर्ट में उपयोक्ता उद्योग के विकास हेतु सुरक्षा, गुणवत्ता एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिये सटीक मानदंडों एवं विनियमों की विशेष आवश्यकता पर बल दिया गया था.

इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ऐसे मानदंड उपभोक्ताओं के बीच टिकाऊ, सुरक्षित एवं तथा अधिक सक्षम तैयार उत्पादों की सक्षमता को बढ़ावेंगे. चूंकि ये उत्पाद सामान्यतया पुराने एवं न्यूनतम पर्यावरण हितैषी उत्पादों का स्थान ग्रहण करते हैं तथा नये उत्पाद ऐसी इकाइयों में तैयार किये जाते हैं, जो स्थायित्वपूर्ण तरीकों को अपनाती हैं. इससे एक समान समयावधि में ही उपभोक्ता, पर्यावरण एवं रसायन उद्योग को लाभ होता है. इस सिफारिश के आधार पर सीआईआई की 'नेशनल केमिकल्स कमेटी' ने विशेषज्ञ रसायन उद्योग में मानदंड एवं विनियमन को सशक्त बनाने के लिए एक उप समिति की स्थापना की. यह स्पष्ट था कि ऐसे मानदंडों के क्रियान्वयन से इस उद्योग को लाभ मिलेगा और वह मैक्सिसे द्वारा पूर्वानुमानित वर्ष 2020 तक 80 से 100 बिलियन अमेरिकी

डॉलर की क्षमता को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा. इस सत्र में बोलते हुए श्रीमती अलका पांडा, अतिरिक्त महानिदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने यह दोहराया कि बीआईएस 'परफॉर्मेंस रसायन' (विशेषज्ञ रसायन) मानदंडों की महत्ता को समझता है.

उन्होंने कहा कि बीआईएस द्वारा निर्धारित कुछ मानदंड गुणवत्ता, एचएसई (स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण) स्थायित्व, अपशिष्ट प्रबंधन इत्यादि क्षेत्रों में प्रदर्शनों में सुधार लाने में मदद करते हैं. इन्होंने आवश्यकता पड़ने पर इन मानकों को उन्नत बनाने के लिए उद्योग को समर्थन प्रदान करने की बात भी कही. मानदंडों पर आयोजित इस वार्ता में शामिल होने वाले अन्य वक्ताओं में एच. जे. गजेर, प्रेसिडेंट, इंडियन ऑक्साइड्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, जिन्होंने 'रोल ऑफ लेम रिटाईट्स एंड इस्लीकेशंस ऑफफायर सेटी' पर चर्चा की तथा डॉ. रणधीर परमार, वरिष्ठ प्रबंधक, टेक्नोलॉजी, एशियन पेंट्स रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी सेंटर, जिन्होंने 'लेड फ्री एंड लो वीओसी पेंट्स' पर अपना विचार व्यक्त किया कि.